राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 165

ममी का कहर

सुपर कमांडो ध्रुव

मेरी नागरस्सी अपराधियों के लिए फांसी का फंदा बन जाएगी। मेरी विष फुंकार आतंकवादियों को मौत की नींद सुला देगी। मैं विश्व से अपराध और आतंकवाद का खात्मा कर दूंगा।

कोई भी 100/- रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। कृपया 100/-रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

राजनगर के आकाश में ध्रुव तारे के समान चमकता सितारा। अपराधियों के लिए मैं दहकता सूरज बन जाऊंगा।

नागराज के उपलब्ध कॉमिक

- ♣ नागराज
- ♣ नागराज की कब्र
- ♣ नागराज का बदला
- ♣ नागराज की हांगकांग यात्रा
- ♣ नागराज और शांगो
- ♣ खूनी खोज
- ♣ खूनी यात्रा
- ♣ नागराज का इंसाफ
- ♣ खूनी जंग
- ♣ प्रलयंकारी नागराज
- ♣ खूनी कबीला
- ♣ कोबरा घाटी
- ♣ बच्चों के दुश्मन
- ♣ प्रलयंकारी मणि
- ♣ शंकर शंहशाह
- ♣ नागराज का दुश्मन
- ♣ इच्छाधारी नागराज
- ♣ नागराज और कालदूत
- ♣ नागराज और जादूगर शाकूरा
- ♣ नागराज और बौना शैतान
- ♣ नागराज और ताजमहल की चोरी
- ♣ नागराज और लाल मौत
- ♣ नागराज और काबुकी का खजाना
- ♣ नागराज और थोडांगा
- ♣ नागराज और तूफान-जू
- ♣ नागराज और जादू का शहंशाह
- ♣ नागराज और अजगर का तूफान
- ♣ बकोरा का जादू
- ♣ पिरामिडों की रानी
- ♣ नागराज और मिस्टर 420
- ♣ थोडांगा की मौत
- ♣ नागराज और बेमबेम बिगेलो
- ▲ नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ▲ नागराज और नगीना का जाल
- ▲ फिर आया नागदंत
- ▲ नागराज और नगीना
- ▲ नागराज और बुगाकू
- ▲ नागराज और मिस किलर
- ▲ विजेता नागराज
- ▲ विसर्पी की शादी
- ▲ शाकूरा का चक्रव्यूह
- ▲ नागराज का अंत
- ▲ जहर
- ▲ नागपाशा
- ▲ खजाना
- ▲ क्राइमकिंग
- ▲ विषकन्या
- ▲ स्नेक पार्क
- ▲ इच्छाधारी
- ▲ केंचुली
- ▲ जहरीले
- ▲ बांबी
- ▲ सपेरा
- ▲ फन
- ▲ नागिन
- ▲ विष-अमृत
- ▲ सम्मोहन
- ▲ राज का राज
- ▲ मृत्युदंड
- ▲ नागद्वीप
- ▲ त्रिफना
- ▲ महायुद्ध
- ▲ अग्रज
- ▲ नागराज का कहर
- ▲ तांडव
- ▲ आतंक
- ▲ दुश्मन नागराज
- ▲ शक्तिहीन नागराज
- ▲ नहीं बचेगा नागराज
- ▲ कालचक्र
- ▲ कुंडली
- ▲ ऐलान-ए-जंग
- ▲ काली मौत
- ▲ नागराज अमेरिका में
- ▲ आतंकवादी नागराज
- ▲ विषहीन नागराज
- ▲ इच्छाधारी चोर
- ▲ लावा
- ▲ विनाशलीला
- ▲ पागल नागराज
- ▲ मसीहा
- ▲ सो जा नागराज
- ● राजनगर की तबाही
- ● प्रलय
- ● विनाश
- ● तानाशाह
- ● सूरमा
- ● कलियुग
- ● कयामत
- ● संग्राम
- ● संहार
- ● नागराज और ड्रैकुला
- ● रक्षक नागराज
- ✪ शेषनाग
- ✪ भानुमति का पिटारा
- ✣ सौडांगी
- ✣ कोहराम
- ✣ जलजला
- ✣ विध्वंस
- ✣ परकाले
- ✣ ड्रैकुला का अंत
- ✣ कोलाहल
- ✣ खलनायक
- ✣ सम्राट
- ✣ सर्व शक्तिमान
- ✣ चक्र
- ✣ मैड्यूसा
- ✣ छोटा नागराज

सुपर कमाण्डो ध्रुव के उपलब्ध कॉमिक

- ♣ प्रतिशोध की ज्वाला'
- ♣ रोमन हत्यारा
- ♣ आदमखोरों का स्वर्ग
- ♣ स्वर्ग की तबाही
- ♣ मौत का ओलम्पिक
- ♣ समुद्र का शैतान
- ♣ बर्फ की चिता
- ♣ रूहों का शिकंजा
- ♣ लहू के प्यासे
- ♣ महामानव
- ♣ वूडू
- ♣ मुझे मौत चाहिए
- ♣ बहरी मौत
- ♣ उड़नतश्तरी के बंधक
- ♣ एक दिन की मौत
- ♣ विनाश के वृक्ष
- ♣ चैम्पियन किलर
- ♣ आखिरी दांव
- ♣ वीडियो विलेन
- ♣ पागल कातिलों की टोली
- ♣ ब्लैक कैट
- ♣ रोबो का प्रतिशोध
- ♣ दलदल
- ♣ उड़ती मौत
- ♣ चण्डकाल की वापसी
- ▲ ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- ▲ आवाज की तबाही
- ▲ खूनी खिलौने
- ▲ किरीगी का कहर
- ▲ चुम्बा का चक्रव्यूह
- ▲ डॉक्टर वायरस
- ▲ सामरी की ज्वाला
- ▲ आत्मा के चोर
- ▲ वैम्पायर
- ▲ सुप्रीमा
- ▲ मैंने मारा ध्रुव को
- ▲ हत्यारा कौन
- ▲ सर्कस
- ▲ हत्यारी राशियां
- ▲ मौत के चेहरे
- ▲ कमांडर नताशा
- ▲ सजाए मौत
- ▲ अंधी मौत
- ▲ षड्यंत्र
- ▲ महाकाल
- ▲ खूनी खानदान
- ▲ अतीत
- ▲ जिग्सा
- ▲ ध्रुव-शक्ति
- ▲ जंग
- ▲ दुश्मन
- ▲ क्विज मास्टर
- ▲ ममी का कहर
- ▲ कमांडो फोर्स
- ▲ बौना वामन
- ▲ कालध्वनि
- ▲ शह और मात
- ▲ आया चुम्बा
- ▲ चुम्बा सम्राट
- ▲ ध्रुव हत्यारा है
- ▲ शहंशाह
- ▲ शीतान
- ▲ ध्रुव खत्म
- ▲ अंत
- ▲ दूसरा ध्रुव
- ▲ डिजिटल
- ▲ मास्टर ब्लास्टर
- ▲ रोबॉट
- ▲ सुपर कमांडो ध्रुव
- ▲ सुपर हीरो
- ▲ चेलेंज
- ▲ मैं समय हूं
- ▲ भूचाल
- ▲ मैच
- ● ड्रैकुला का हमला
- ● निशाचर
- ✣ सम्राट
- ▲ फरिश्ता
- ▲ रॉबिन हुड

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 10/-
♣ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 15/-
▲ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 20/-
✪ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 30/-
✣ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 40/-

सुपर इंडियन के उपलब्ध कॉमिक

- ✣ सुपर इंडियन
- ✣ सुपर इंडियन कौन
- ✣ विलेन चाचा
- ▲ पहला खून
- ▲ दूसरा खून

कोई भी 100/- रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। कृपया 100/-रुपए या अधिक का मनीऑर्डर या ड्राफ्ट जो राजा पॉकेट बुक्स के नाम व **Payable at Dehli** हो बनवाकर राजा पॉकेट बुक्स 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में या ड्राफ्ट के साथ सलंग्न पत्र में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

प्रकाशक: राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084 फोन: 27611410
mail: bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोन: 23251109, 23251092

इस दुनिया की कुछ जगहों का नाम, उनकी ऐसी कलाओं के कारण जाना जाता है, जिनको दुनिया ने सराहा। ऐसी ही एक कला है 'शव संरक्षण की कला' जिसने मिस्त्र देश और उसके पिरामिडों के नाम को प्रसिद्ध कर दिया। लेकिन समय बीतने के साथ-साथ यह स्पष्ट होता गया कि 'शव संरक्षण' यानी ममी बनाने की कला सिर्फ मिस्त्र तक ही सीमित नहीं थी! कुछ दिनों पहले मैक्सिको देश में भी ऐसी ममियों का पता चला है, जिनको एक खास मिट्टी में लपेटकर रखा गया था! और मिस्त्र की ममियों के विपरीत मैक्सिको की ममियों के आंतरिक अंगों को बाहर नहीं निकाला गया था! हमारे भारत की कुछ रियासतों के ऐतिहासिक दस्तावेजों में भी शवों को ममीकृत करने का जिक्र किया गया है। और ऐसी ही रियासतों में से एक रियासत है राजनगर की रियासत। जिस पर टूटने वाला है...

ममी का कहर

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा:	चित्र:	इंकिंग:	सुलेख व रंग:	सम्पादक:
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोद	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

राजनगर पर टूटा यह कहर इतिहास के पन्नों से उठकर आया था–
राजनगर रियासत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है! यहां पर दोरीवंश के शासकों का शासन था! यहां पर दोरीवंश के शासकों का शासन था! याद हो गया!
हां, मुंह का रंग तो ठीक है! लाल लिपस्टिक लगी हुई है!
ऐ भइया, तंग मत करो! मुझे पढ़ने दो!
हुम! ठीक है! पर तेरी ड्रेस कुछ मैच नहीं कर रही! और तुझे इतना पढ़-पढ़कर भूख भी तो लग गई होगी! रुक मैं अभी आया!
ड्रेस मैच नहीं कर रही! किससे मैच नहीं कर रही? और मुझे भूख-वूख नहीं लगी है! तुमको लगी है तो मेरा दिमाग छोड़कर कुछ भी जाकर खा लो!
हां, ले श्वेता! बड़ी मुश्किल से ढूंढ़कर लाया हूं!
पीछे ही पड़ गया! कहा न कि तंग मत... अरे! यह हरा टॉप क्यों ले आए? और प्लेट में क्या है!... हरी मिर्चें!
हां! जिस तरह से तू रट्टा मार रही थी, मुझे लगा कि तुममें तोते के गुण आ गए हैं! अब आ गए हैं तो लगाना भी चाहिए न! लाल चोंच... मेरा मतलब होंठ और हरे टॉप में तू जब हरी मिर्चें चबाएगी, तो एकदम टॉय-टॉय तोता लगेगी! उसके बाद रट्टा तुमसे एकदम मैच करेगा!
फिर मैं तुम्हारे लिए उल्लू की ड्रेस ढूंढ़कर लाती हूं! रात-रात भर जगकर शिकार पकड़ते रहते हो न?

ओऽऽऽ! यानी तू उल्लू की बहन है!
अगर तू तोते का भाई है तो!
अच्छा, चल 'सीज फायर' कर लेते हैं! वाक युद्ध विराम! अब ये बता कि साइंस पढ़ते-पढ़ते तू एकाएक हिस्ट्री का रट्टा क्यों मारने लगी?
पापी पॉकेटमनी का सवाल है भइया! पापा तो पॉकेटमनी बढ़ाते नहीं, इसलिए मैंने एक पार्ट-टाइम नौकरी ढूंढ़ ली है! गाइड की जॉब!
तुझे गाइड की जॉब किसने दे दी? तू तो शायद अपने कॉलेज का नक्शा भी ठीक तरह से नहीं जानती होगी!
हा हा हा! घर की मुर्गी दाल बराबर! मुझे नौकरी अपनी काबलियत पर मिली है!... नॉलेज पर!
अच्छा मुर्गी! पर तू मुर्गी से तोता बनकर इतनी मेहनत क्यों कर रही है?
क्योंकि कल अमेरिका से एक टूरिस्ट पार्टी राजनगर घूमने आ रही है! उसे राजनगर के सारे ऐतिहासिक स्थलों पर घुमाना है! अब बताने के लिए कुछ तो याद होना चाहिए न!
हां हां! याद कर, याद कर! कहीं गलती से राजनगर को ताजमहल न बोल जाए!
हा हा हा! श्वेता जीनियस को भला क्या पूछना पड़ सकता है! पर तुम्हारा दिल तोड़ने से बेहतर है कि मैं इसे रख लूं!
मेरा दिल टूटने से बचे या न बचे, पर इससे तेरा सिर टूटने से जरूर बच जाएगा! गुड नाइट!
एक काम कर! ये माइक्रो ट्रांसमीटर रख ले! कुछ भूल जाए तो करीम से पूछ लेना! मैं उससे कंप्यूटर पर राजनगर के इतिहास की सी.डी. लगाकर रखने को कह दूंगा!
गुड नाइट डियर ब्रदर!
और थैंक्यू! इस ट्रांसमीटर की जरूरत तो मुझको हर दो मिनट बाद पड़ेगी!

★अर्थः एक सैकेंड, मिस गाइड! क्या इस महल का कोई नाम भी है?

★विक्रम! तुम सचमुच इलेक्ट्रोनिक्स में माहिर हो। यह तुमने किया कैसे?

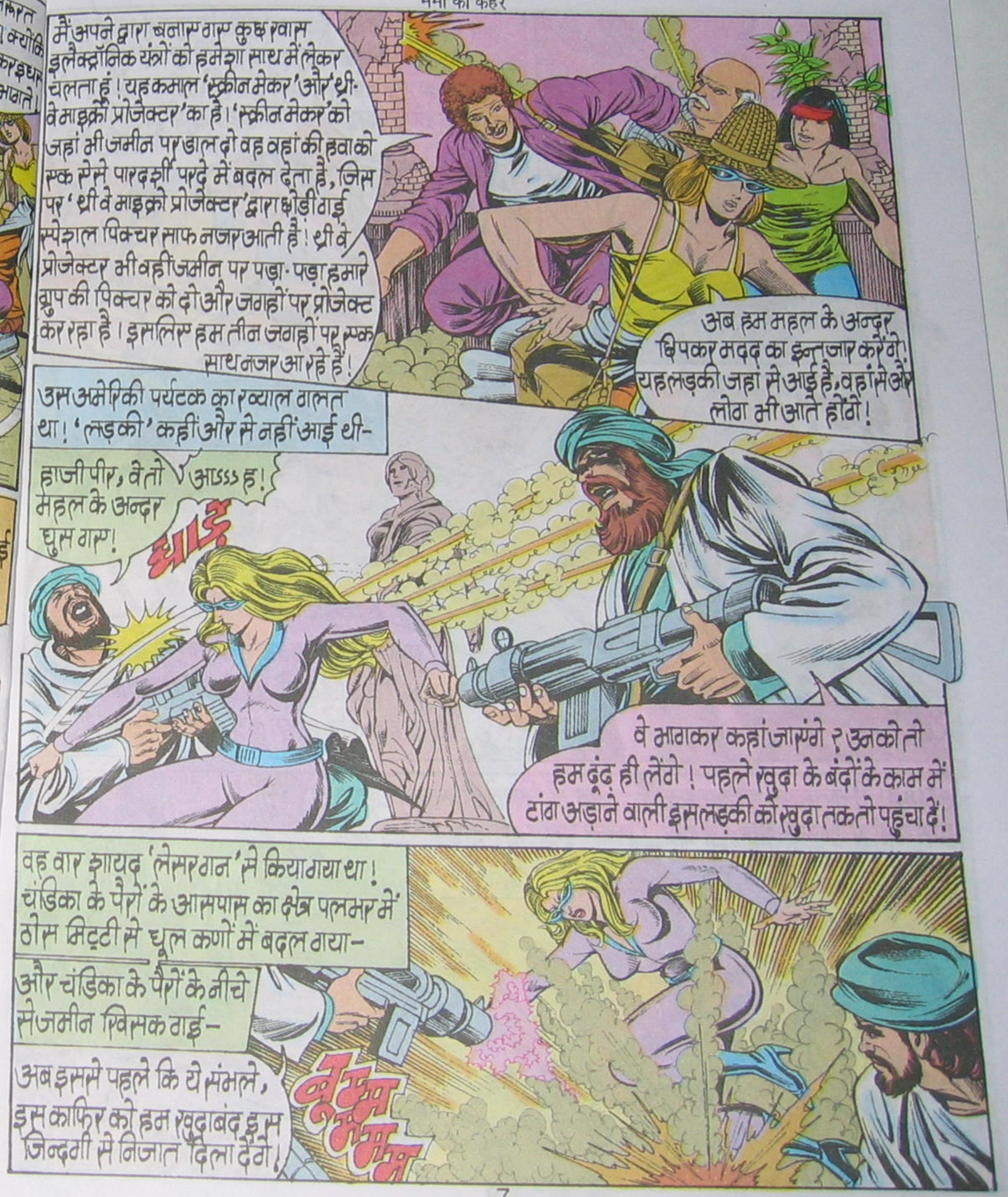

नाम खुदा का लेते हो!...
धड़ड़ड़
...और बंदगी शैतान की करते हो! जेहाद के नाम पर मासूमों का खून बहाकर अपने स्वार्थ को पूरा करते हो!
शायद इसीलिए खुदा ने आज तक तुम्हारे मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया। उनकी इच्छा से सुपर कमांडो ध्रुव जैसे लोग तुम्हारे इरादों पर पानी फेरते रहे हैं, और फेरते रहेंगे!
तड़ाक
ध्रुव!
यहां पर तो भीड़ बढ़ती ही जा रही है। महल की तरफ भागो मुजाहिदीनों, और बंधकों को कब्जे में ले लो! उसके बाद कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह! ये खतरनाक हथियार इनके पास कहां से आए? और तुम यहां पर कैसे आ गई, चंडिका?
जब भी मिलते हो, एक ही घिसा-पिटा सवाल पूछते हो! कुछ तो चेंज करो, ध्रुव!

फिलहाल इन आतंकवादियों पर काबू पाने की सोचो! एक तो इनके पास न जाने कैसे-कैसे इलैक्ट्रॉनिक्स हथियार हैं, और दूसरे अगर ये महल में घुसकर इधर-उधर फैल गए तो इनसे पहले टूरिस्ट पार्टी तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा! क्योंकि यह महल बड़ा तो है ही, साथ ही साथ इसमें छिपने की हजारों जगहें भी हैं!
यू आर राइट, चंडिका! पर... तुम यहां तक पहुंची कैसे?
ओफ! इसकी तो सुई अटक गई है!
ध्रुव और चंडिका थोड़ा पिछड़ गए थे! क्योंकि उनके आतंकवादियों तक पहुंचने से पहले आतंकवादी अलग-अलग होकर महल में फैल गए थे-
ओ माई गॉड! मदद तो आई नहीं, पर एक टेररिस्ट जरूर इधर ही आ रहा है! अब हम क्या करें?
घबराओ मत! मैं कुछ करता हूं। रिलैक्स!
ये 'सोनिक डिवाइस' अल्ट्रासोनिक वेव्स फैलाकर इसके दिमाग को हिला डालेगा! और उसी बीच हम इस पर काबू पाकर इसके हथियार छीन लेंगे!
तुम सब अपने कान बन्द कर लो!
अल्ट्रासोनिक तरंगों ने उस आतंकवादी के दिमाग को हिलाने के साथ-साथ उसका हाथ भी हिला दिया! और गलती से दगी लेसर वार ने संयोगवश 'सोनिक डिवाइस' के परखच्चे उड़ा दिए-

और उस आतंकवादी को पर्यटकों के छिपने के ठिकाने का पता लग गया–
हा हा हा! बाहर निकल आओ अमेरिकी चूहो, वर्ना इसी बिल में तुम्हारी कब्र बना दूंगा!
ओह! लेसर ब्लास्ट!
इयायायाऽऽऽ
लेकिन तभी-लेसर किरण और निशाने के बीच में एक शीशा आ गया–
और पलभर के लिए पलटी लेसर किरण ने आतंकवादी को ही निशाना बना लिया–
रही-सही कसर शीशा गिराने वाले ने पूरी कर दी–
भला हो तुम्हारी चीखों का, जिसने मुझे सही जगह पर पहुंचा दिया, और इस शीशे का भी जो इतनी सदियों तक भी दीवार पर लटका रहने के बाद अब तक सही-सलामत था!
तड़ाक

पर तुम हो कौन? हम तो पुलिस का इंतजार कर रहे थे!
मुझे पुलिस का ही छोटा-मोटा रूप समझिए! मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं! पर... आप लोगों की गाइड कहां पर है?
वो... श्वेता! वह तो बाहर ही रह गई थी! पहला ब्लास्ट उसी के पास हुआ था! वह वहीं पर बेहोश होकर गिर गई थी!
श्वेता घायल है? पर वह तो मुझे बाहर कहीं नहीं दिखी!
ओह! श्वेता गायब, और चंडिका हाजिर! हर बार ऐसा ही होता रहा है! सिवाय एक बार के! लेकिन मुझे अभी भी कुछ और सबूतों की जरूरत पड़ेगी!
अरे, क्या सोचने लग गए? यहां से बाहर निकलने का रास्ता सोचो मिस्टर ध्रुव!
ओ, हां, हां! बाहर निकलने का रास्ता तो मैं ढूंढ ही लूंगा! पर दो आतंकवादी अभी महल में ही कहीं पर हैं! हमको बहुत धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा! क्योंकि आप चारों के साथ होने पर मैं उनसे मुकाबला नहीं कर सकता! आपकी सुरक्षा मेरी पहली चिन्ता है!
अगर ये पहले से ही पता चल जाए कि वे आतंकवादी महल में कहां पर हैं तो काम आसान हो जाएगा कि नहीं?
यह पता कैसे लगेगा?
इस 'बायोस्कैन' से! मेरा लेटेस्ट आविष्कार है यह! यह सौ मीटर के घेरे में मौजूद हर जिंदा वस्तु की 'रडार-इमेज' को अपनी स्क्रीन पर दिखा सकता है!

★ विक्रम! तुम वास्तव में इलैक्ट्रॉनिक्स के जादूगर हो।

...पहले तुझे नीचे गिरा दूं!
बहुत परेशान कर लिया तूने! अब तू किसी को परेशान नहीं कर पाएगी! क्योंकि तेरे बदन की हर हड्डी कई टुकड़ों में टूटने वाली है!
लेकिन चंडिका की हड्डियां टूटने से पहले-
छत टूट गई-
और उसके बाद हाजीपीर के सिर पर कयामत टूट पड़ी-
गुड विक्रम! उस आतंकवादी की लेसर गन से फर्श में छेद करके नीचे पहुं-चने का आइडिया वाकई में 'फटाफट-आइडिया' था!
आऽऽऽह!
तुम सबकी मौत भी उतनी ही फटाफट होगी, लड़के!

क्योंकि अब मैं इस 'इलैक्ट्रॉनिकगन' का 'शूटिंग मोड' बदल दूंगा! अब इसमें से वे लेसर किरणें नहीं निकलेंगी, जिनका निशाना साधना पड़ता है, बल्कि वे 'इलैक्ट्रॉन रेज' निकलेंगी, जो वातावरण में इधर-उधर फैल जाती हैं! और जिनके हमले से शिकार कभी बच नहीं पाता!
आऽऽऽह! ये 'इलैक्ट्रॉन रेज' हम पर 'करेंट' लगाने सा असर कर रही हैं! और हमारे साथ-साथ इन्होंने पर्यटकों को भी लपेटे में ले लिया है।... जल्दी ही कोई रास्ता सोचना होगा! वर्ना हम सब एक साथ मारे जाएंगे!

कोई रास्ता नहीं है ध्रुव! इन किरणों से तो किसी चीज की आड़ लेकर भी नहीं बचा जा सकता। ये तो बादलों में चमकती बिजली की तरह टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता तय कर सकती हुई कहीं पर भी घूम सकती है!
उस बिजली को भी 'तड़ितचालक' यानी 'लाइटनिंग रॉड' की मदद से रास्ता दिखाया जा सकता है, चंडिका!... और इसी बात से मुझे एक आइडिया आ गया है!...
आऽऽऽह! तू मुझ पर डोरी फेंक रहा है! तू समझता है कि तू डोरी के सहारे मुझसे जुड़ जाएगा तो करेंट का असर मुझ पर भी आ जाएगा! ठीक समझता है तू! असर आए गा तो जरूर, पर मामूली सा!...
...क्योंकि 'इलेक्ट्रान रेज' का ज्यादातर चार्ज तो तेरा ही बदन सोखे ले रहा है!
ऐसा है तो मैं अपने बदन को बीच से हटाकर...
... तुम्हारे चार्ज से तुम्हारा सीधा संपर्क करवा देता हूं! हॉटलाइन से!
स्टार लाइन का दूसरा छोर 'गन' के बैरेल में फंसते ही, हवा में फैल रही 'इलेक्ट्रॉन तरंगों को एक रास्ता मिल गया-
और वह रास्ता हाजीपीर के शरीर पर जाकर खत्म होता था-

कहानी 19 पेज से जारी

कैसे जीतेंगे योद्धा यह समर...
...जब दुश्मन न आए नजर...
...और मचाता रहे...
कोहराम
मूल्यः 40/-
128 पृष्ठों में फैली राज कॉमिक्स की एक गौरवशाली भेंट
पहली बार राज कॉमिक्स के सभी सुपर हीरो एक साथ

मानव से टकरा गया है महामानव! वर्तमान से टकरा गया है भविष्य! इस टकराव से कांपेगा भूमंडल और आएगा...
by अनुपम Vinod
मूल्यः 40/-
पृष्ठ संख्याः 12
जलजला
राज कॉमिक्स में एक नया इतिहास बनाता हुआ सुपर मल्टी स्टार विशेषांक

सुपर्ब, ध्रुव! बहुत खूब! तुम्हारे जैसा दिमाग मेरे पास होता तो हर चीज को ही इलेक्ट्रॉनिक का बना देता!
तब तो भगवान का शुक्र है कि तुम्हारे पास वैसा दिमाग नहीं है! खैर, अब पुलिस के आने तक यहीं इंतजार करना पड़ेगा! इनको छोड़कर नहीं जाया जा सकता! पर तब तक हम करेंगे क्या?
हां, अब क्या करना है! हमारी आज की ट्रिप तो बेकार हो गई!
और कल हमको वापस जाना है!
नहीं, नहीं! ट्रिप बेकार क्यों होगी? ट्रिप बेकार करवा देंगी तो मेरी फीस मारी जाएगी! आइए, तब तक मैं आपको राजनगर के दौरी वंश का इतिहास सुनाती हूं!
ओ, श्वेता! तुम गायब तो चंडिका हाजिर, और अब चंडिका गायब तो तुम हाजिर!
तुम हमारी गाइड को जानते हो?
हां!
ये मेरी बहन है!
श्वेता!
हां, तो अमेरिकन भाइयो, बहनो! मैंने आपको दौरी वंश के अंतिम राजा गजबल दौरी के बारे में बताया था। गजबल दौरी के सिर्फ एक पुत्र था, जो जंगल में शिकार खेलते वक्त लापता हो गया था! जीवनभर गजबल उसकी तलाश करता रहा, पर वह नहीं मिला! गजबल को फिर भी यकीन था कि उसका बेटा जिन्दा है!
इसीलिए मरने से पहले उसने अपने खजाने को एक गुप्त तहखाने में रखवा दिया, और यह आदेश दिया कि उसके मरने के बाद उसके शव को रसायनों द्वारा संरक्षित करके उसी तहखाने में रखवा दिया जाए!
ओ! इसका मतलब 'शव संरक्षण' यानी ममी बनाने की कला, सिर्फ मिस्र वालों के ही नहीं, भारतवालों के पास भी थी!

★मैं एक हिन्दुस्तानी ममी देखना चाहता हूं।

अगले दिन सुबह से महल और उसके आस-पास गुप्त तहखाना ढूंढने का काम शुरू हो गया। रात भर में विक्रम ने कई 'अन्वेषक यंत्र' बना डाले थे-
कुछ मिला?
नहीं, सर! काफी बड़े एरिया की छानबीन करनी है! मुझे तो लगता है कि छान-बीन पूरी होने में एक हफ्ते से कम का समय नहीं लगेगा!
दिन धीरे-धीरे बीतता गया। किसी भी अन्वेषक टीम को सफलता हाथ नहीं लगी थी-
लेकिन तभी-
पींव पींव पीं वपींव
ध्रुव! मिल गया! ये सिग्नल इशारा कर रहे हैं कि इस जगह के नीचे काफी मात्रा में सोना दबा हुआ है!
यहां की खुदा कराओ! तुरन्त
विक्रम का ख्याल सही था! कुछ ही फीट मिट्टी हटाने के बाद नीचे जाती हुई सीढ़ियां साफ नजर आने लगी थीं-
वाऊ! मेरा यंत्र सही काम कर रहा है!
धड़कते दिलों से सभी सीढ़ी से नीचे उतरे-
सामने एक चट्टानी दरवाजा है! खजाना इसी के अन्दर होगा! इसे खोलिए!
दरवाजा खोला गया-

और सभी की आंखें के डले, अपने गड्ढों से बाहर आने को बेताब होने लगे-
इस खजाने की कीमत तो खरबों रुपए में होगी!
कमाल हो गया! यह ऐसी पहली ममी है, जो मिस्र से बाहर कहीं मिली है! सिवाय मैक्सिको के!
और इसका टेन परसेन्ट मुझे मिलेगा! मुझे तो सोचकर ही चक्कर आ रहे हैं!
666

ऐसे खजाने तो मिलते ही रहते हैं! असली खजाना तो यह है! ममी का ताबूत! देखते हैं कि साढ़े तीन हजार साल पुरानी ममी किस हालत में है!
संभलकर डॉक्टर राव! मैं जानता हूं कि आपके पुरातत्व विभाग ने कई पुरातत्व रहस्यों को खोजा है! पर इस बॉक्स में सांप-बिच्छू जैसी खतरनाक चीजें भी हो सकती हैं!
अरे, ऐसी चीजें रोज-रोज थोड़ी ही मिल
हैं ध्रुव! मुझसे तो सब्र नहीं हो रहा है! मैं इ
तुरन्त ही खोलूंगा, चाहे इसके अन्दर सा
यमराज ही क्यों न बैठे हों!
डॉक्टर राव ने ताबूत के ढक्कन को ऊपर उठा
और कहीं पर हुई एक हल्की सी आवाज ने ध्रुव का ध्यान खींच लिया–
यह आवाज? जैसे कोई लीवर दबा रहा हो... कहीं यह...
कट
खट
खट्ट
कड़
तड़क
खट
कड़क
...सब झुक जाओ! तुरन्त!

य... यह क्या था?
इस 'ममी' का सुरक्षा प्रबंध! लगता है उस समय का भी भारतीय विज्ञान काफी उन्नत था! अगर मुझे पहले से ही ऐसी किसी घटना होने की आशंका न होती, तो आज हम सब मारे गए होते!
अ... अब ताबूत खोलूं?
खोलिए! मैं किसी भी संभावित दुर्घटना का ध्यान रखूंगा!
ताबूत एक बार फिर खुलने लगा–
पर इस बार कोई और दुर्घटना नहीं घटी–
और साढ़े तीन हजार वर्षों के बाद, गजबल वीरी के शरीर से एक बार फिर वातावरण की वायु का स्पर्श हुआ–
फैब्युलस! हाऽऽह!
वाऽऽह! य... यह तो सचमुच की ममी है!
इसके हाथों में क्या है? कोई संदेश लगता है!
संस्कृत में लिखा है!

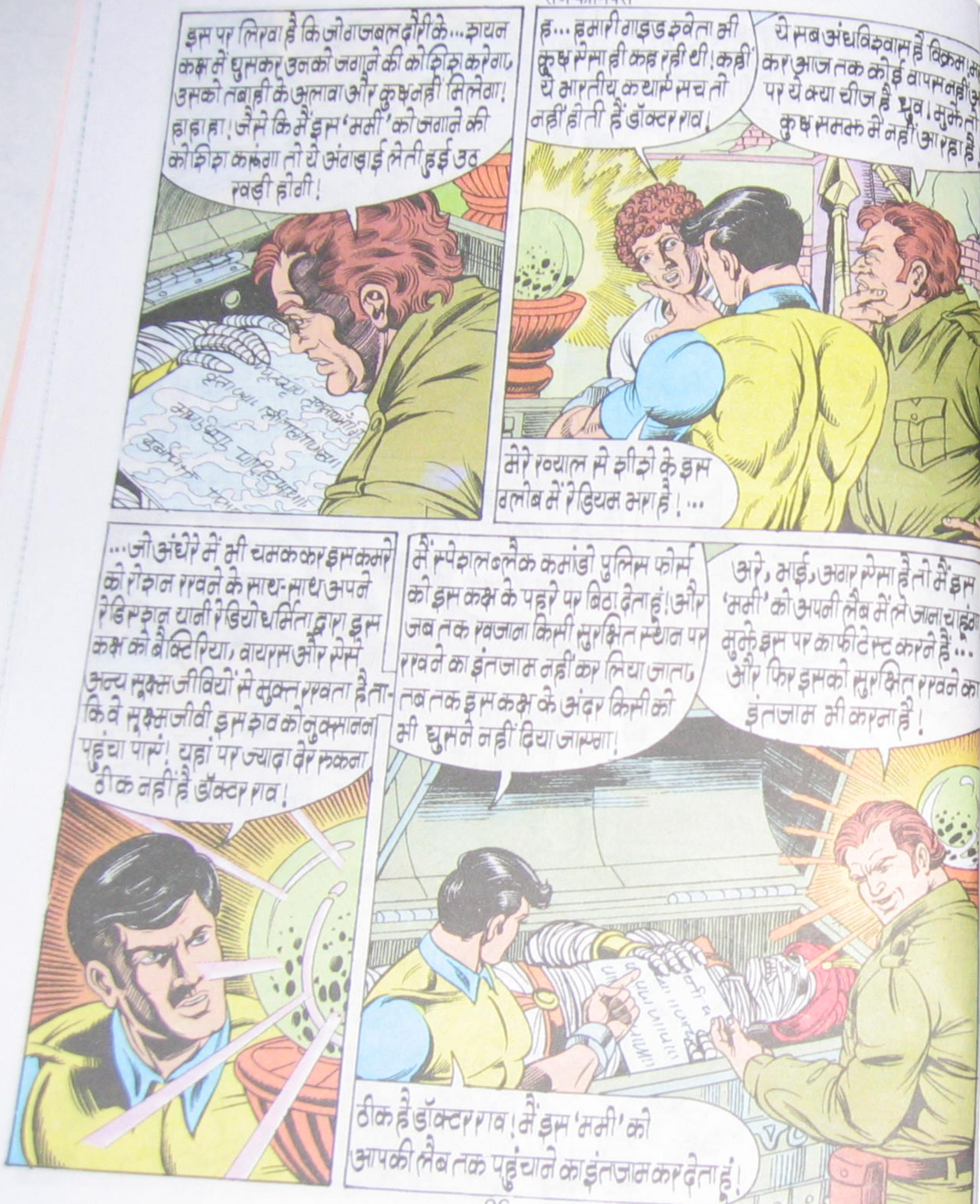
इस पर लिखा है कि जो गाजबल दौरी के... शयन कक्ष में घुसकर उनको जगाने की कोशिश करेगा, उसको तबाही के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा! हा हा हा! जैसे कि मैं इस 'ममी' को जगाने की कोशिश करूंगा तो ये अंगड़ाई लेती हुई उठ खड़ी होगी!
ह... हमारी गाइड श्वेता भी कुछ ऐसा ही कह रही थी! कहीं ये भारतीय कथाएं सच तो नहीं होती हैं डॉक्टर राव!
ये सब अंधविश्वास है विक्रम! मगर आज तक कोई वापस नहीं आ... पर ये क्या चीज है ध्रुव! मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है।
मेरे ख्याल से शीशे के इस बल्ब में रेडियम भरा है! ...
...जो अंधेरे में भी चमककर इस कमरे को रोशन रखने के साथ-साथ अपने रेडिएशन यानी रेडियोधर्मिता द्वारा इस कक्ष को बैक्टिरिया, वायरस और ऐसे अन्य सूक्ष्म जीवियों से मुक्त रखता है ताकि वे सूक्ष्मजीवी इस शव को नुकसान न पहुंचा पाएं! यहां पर ज्यादा देर रुकना ठीक नहीं है डॉक्टर राव!
मैं स्पेशल ब्लैक कमांडो पुलिस फोर्स को इस कक्ष के पहरे पर बिठा देता हूं! और जब तक खजाना किसी सुरक्षित स्थान पर रखने का इंतजाम नहीं कर लिया जाता, तब तक इस कक्ष के अंदर किसी को भी घुसने नहीं दिया जाएगा!
अरे, भाई, अगर ऐसा है तो मैं इस 'ममी' को अपनी लैब में ले जाना चाहूंगा। मुझे इस पर काफी टेस्ट करने हैं... और फिर इसको सुरक्षित रखने का इंतजाम भी करना है!
ठीक है डॉक्टर राव! मैं इस 'ममी' को आपकी लैब तक पहुंचाने का इंतजाम कर देता हूं!

डॉक्टर राव की इच्छा के अनुसार, गाजबल दौरी की ममी को पुरातत्त्व विभाग की अत्याधुनिक लैब में पहुंचा दिया गया-
इसकी 'कार्बन डेटिंग' करो! मुझे इसकी एकदम सही उम्र जाननी है!
और राजनगर में सबकुछ पहले की तरह चलने लगा-
अरे! क्या हुआ, श्वेता? तू तो विक्रम के पास गई थी न? इलैक्ट्रॉनिक्स के नए-नए यंत्र बनाना सीखने के लिए! इतनी जल्दी वापस कैसे आ गई?
SPORTS
विक्रम साहब के पास टाइम नहीं है। वह तो बस... अपने दस परसेंट का हिसाब जोड़ने में लगा हुआ है! दो चीज समझाता है... फिर अपना हिसाब करने लगता है!
तुम देखना, गाजबल की ममी ने उसे पागल किया है! अब वही ममी उसको उसकी मम्मी की याद दिलाएगी! तब दिमाग ठिकाने आएगा उसका
श्वेता बात तो मजाक में कह रही थी-

लेकिन राजनगर सचमुच में ऐसा ही कुछ भुगतने वाला था-
चलो! दो दिनों में ही सारे टेस्ट पूरे हो गए! मुझे तो लग रहा था कि हफ्तों लग जाएंगे! अब इसको नाइट्रोजन कैप्सूल में सील करके...
...राजनगर म्यूजियम में भिजवा दो! उन्होंने इस नायाब ममी के लिए एक स्पेशल ग्लास रूम बनवा कर रखा हुआ है!
स...सर! सर! 'ममी' तो... उठकर खड़ी हो गई है!
मैं कहां हूं? यह कैसी जगह है?
ममी के कमरे से ये आवाजें कैसी आ रही हैं?
व...व्हाट?
'ममी' क्या होता है? सम्राट गजबल बोल मुझे! और...मेरा खजाना कहां पर है? यह कैसी जगह है! बता मुझे...

...बता! मेरा राज्य कहां गया? ये सारे यंत्र कैसे हैं? और... तुम कौन हो? कौन हो?
ऊऊऽऽऽ! आऽऽऽ! य... यह क्या हो रहा है? यह असंभव है! मरा हुआ इन्सान जिन्दा नहीं हो सकता!
मैं मरा नहीं हूं! मैं मर नहीं सकता! जब तक मेरा खजाना सही हाथों में नहीं पहुंच जाता, तब तक मैं खत्म नहीं हो सकता!
कहां है मेरा खजाना? यह सच नहीं हो सकता! यह जरूर कोई जादू है! बता, क्या है यह सब?
म...मैं बताता हूं! दुनिया बदल चुकी है, गजबल! त...तुम साढ़े तीन हजार साल बाद जगे हो! तुम्हारा राज्य कब का खत्म हो चुका है!
और तुम्हारा खजाना उसी तहखाने में सुरक्षित रखा है, जिसमें तुमको दफन किया... मेरा मतलब सुलाया गया था!
किसने खोदा मेरे शयनकक्ष को? किसकी हिम्मत हुई मुझे जगाने की? किसकी?
विक्रम की! हां...हां, यह सब विक्रम का किया धरा है! हमारा नहीं! हमें छोड़ दो!
कौन है ये विक्रम? हमारा दुश्मन! कहां पर मिलेगा वह? अब मैं पहले उसे खत्म करूंगा, और फिर खजाने को लेने जाऊंगा!
वह इंपीरियल होटल में है! कमरा नम्बर तेरह में! तुम वहीं जाओ!
ठीक है! पर याद रखना! अगर तुम्हारी सूचना गलत हुई तो गजबल दौरी तुमको तड़पा-तड़पाकर खत्म करेगा! ऐसे!
म...मैं सच बोल रहा हूं!
तुम जाओ!
मैं भी कितना मूर्ख हूं! एक मुर्दे से बात कर रहा हूं!

कमांडो हैडक्वार्टर राजनगर-
हमारे ताजातरीन 'इंफार्मरनेट' की क्या खबर है, करीम?
'इंफार्मर नेट'! क्या... अच्छा! तुम्हारा मतलब उन नन्ह-नन्हे लड़के लड़कियों से है, जो अपराध से लड़ने में हमारी मदद करना चाहते हैं! और जिनको हमने फिलहाल 'इंफार्मर' के काम पर लगा है!
हां, हां! मैं उनकी ही बात कर रहा हूं! ...
उनमें से कुछ को तो अभी पीटर और रेणु ट्रेनिंग दे रहे हैं कि किस तरह की घटनाओं की इंफार्मेशन देनी चाहिए, और छोटे-मोटे खतरों से कैसे निपटा जाना चाहिए! ...
... और जिनकी ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है, उनको हमने एक-एक यूनीफार्म और बैज दे दिए हैं! वे सभी शहर के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं! इसीलिए वे अपने-अपने घरों में रहते हुए भी वहां आस पास होने वाले किसी भी अपराध की सूचना हम तक पहुंचा सकते हैं!
अभी तक तो किसी ने कोई इंफार्मेशन नहीं भेजी है! मुझे लगता है कि उनको काम शुरू करने में थोड़ा वक्त लगेगा... लो! लगता है 'श्रीगणेश' हो गया! किसी का फोन आ रहा है!
ट्रिंगSSS
यस कमांडो हैडक्वार्टर हियर!
सर! मैं जूनियर कमांडो 292 हूं! सुभाष नगर फोर्थ रोड से! यहां पर एक आदमी ने बहुत उत्पात मचाया हुआ है! सबसे इंपीरियल होटल का पता पूछ रहा है!
हूम! यानी बाहर से आया हुआ लफंगा है! ...
... हुलिया बताओ!

हुलिया बताना जरा मुश्किल है सर! उसने अपने पूरे बदन पर पट्टियां बांध रखी हैं, जैसे अस्पताल में मरीजों को बांधते हैं... और...
... और उसने सिर पर राजा जैसी पगड़ी बांध रखी है! और...
पगड़ी!
करीम, तुरन्त पुरातत्त्व विभाग की लैब का नंबर मिलाओ! अर्जेंट!
NUMBER CALLING
ओ० के जूनियर कमांडो, 292! बाद में बात करेंगे! ओवर!
ओफ! बीच में ही लाइन काट दी! अब मैं क्या करूं! पहले ही एसाइनमेंट में फेल हो जाऊंगी क्या?
नहीं! मैं खुद इसको रोकूंगी! एक कमांडो के लिए कुछ भी असंभव नहीं होता! यही हमको सिखाया गया है!
जूनियर कमांडो 292 स्थिति की गंभीरता को समझ नहीं पा रही थी-
बता! किधर है इंपीरियल होटल! बता!
उ... उधर! कहो तो मैं लिफ्ट दे दूं!
बस, मेरी जान बख्श दो!
लिफ्ट तो अब इसको हम देंगी! जेल तक!
आSSSह! जल की इतनी तीव्र धारा भला कहां से आई? मैं सचमुच किसी जादूनगरी में पहुंच गया हूं!

जादूनगरी नहीं, जेल नगरी बोल! चुपचाप आत्मसमर्पण कर दे, वर्ना परलोक नगरी पहुंचा दिया जाएगा!
वाह! 'रैपिड एक्शन फोर्स' आ गई है! अब मुझे बीच में पड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी! थैंक गॉड!
कैडेट 292 यह नहीं समझ रही थी यह मामूली दंगा-फसाद करने वाला था-
उसकी आंखों से किरणें निकलकर पानी की धार से टकराईं-
और सारा पानी एकाएक भाप में बदलने लगा-
धार बनकर बढ़ता पानी-
पाइप के अन्दर का पानी-
और 'हाइड्रेन्ट' में भरा पानी-
सारा पानी एकाएक भाप में बदल गया! और इस भाप ने पाइप के साथ-साथ हाइड्रेन्ट के भी परखच्चे उड़ा दिए-
परलोक नगरी के आधे रास्ते तक तो मैं ही आया हूं! और उससे आगे जाने की अभी मुझे इच्छा नहीं है!

ये तो बहुत खतरनाक है! इस पर रबर बुलेट का इस्तेमाल करना, पैसे और समय दोनों की बर्बादी है! इस पर असली गोलियों का इस्तेमाल करो! शूट टू किल!
तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़
असली गोलियां, गजबलदौरी की ममी की तरफ लपक पड़ीं-
लेकिन-
यह कैसा हथियार है जो धमाके के साथ छोटे-छोटे कंकड़ फेंकता है! हमारे जमाने में तो पत्थर फेंके जाते थे...
...ऐसे!
इन मूर्खों ने खामख्वाह ही बीच में व्यवधान पैदा कर दिया! ... अब अपने मुख्य दुश्मन से निपटा जाए! विक्रम से!
ओऽऽऽ! अब मुझे ही अपनी जान खतरे में डालनी होगी!
सबसे पहले पट्टियां खोल दूं! ताकि इसकी शक्ल दिख सके!
पट्टियों से हाथ का स्पर्श होते ही-

कैडेट 282 को एक तेज झटका लगा-
आऽऽऽह!
ओफ़! अब बच्चे भी मुझ पर झपट रहे हैं! यानी किसी को राजा का खौफ ही नहीं रहा?...
...तुझको तो ऐसा दंड मिलना चाहिए, जिसे देखकर पूरी प्रजा सिहर उठे! राजा पर हमला करके राजद्रोह का अपराध किया है तूने!
कैडेट 282 की सिट्टी-पिट्टी गुम थी! वह हिलने तक की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी-
अब एक ही काम बचा था! अंतिम समय में भगवान को याद कर लेने का-
भगवानजी, मेरे पापों को क्षमा कर देना! और मेरे कैप्टेन को मत बताना कि मैं फेल हो गई! बाय भगवान जी!
...बल्कि तुमने जो हिम्मत दिखाई है, उसे देखकर तो मैं खुद अचंभित हो गया हूं! जब बाकी सब भाग रहे हैं, तो तुम इसका मुकाबला करने की सोच रही हो! वाह!
तुम फेल नहीं हुई कैडेट 282...
अब तू कहां से आ गया? खैर, जो भी हो, दंड-प्रक्रिया में व्यवधान डालने के लिए, दंड तो तुझे भी भुगतना होगा!

ब ये स्टाइल और डायलाग मारना छोड़ो, र ये नाटक बंद करो! यह तो मुझे पता ल गया है कि गजबल दौरी की 'ममी' लैब गायब हो गई है।... पर उसको तुमने हां पर छिपाया है, और 'ममी' का मेकअप रके तुम यहां तोड़-फोड़ क्यों कर रहे हो! सका जवाब तो तुम ही दे सकते हो! चलो, फटाफट जवाब दो!
और शुरुआत अपने चेहरे की पट्टियां हटाकर करो! ताकि मैं तुम्हारा चेहरा देख सकूं!...
आऊ ऽऽऽ
तू मेरी बेइज्जती कर रहा है लड़के! माना मेरा राज्य खत्म हो गया है, दुनिया बदल गई है, पर मैं नहीं बदला हूं। मैं राजा गजबल हूं! और मेरा अपमान करने वाला जिन्दा नहीं बचता!
इसकी आंखों से तो ऊष्मा किरणें निकलती हैं! जो भारी विनाश फैला सकती हैं!...
पर ये किरणें हैं! और हर किरण की तरह इनको भी रावर्तित किया जा सकता है! सी भी चमकती सतह की मदद से!
हाहाहा! तू मेरी ही किरण से मुझे घायल करेगा? कर सकता है, पर तब, जब ये किरण मुझे लगे! मैं इसे अपने शरीर से ही टकराने नहीं दूंगा!
ह किरण को अपनी रफ वापस पलटता देखकर उसके स्ते से हटता जा रहा है! दूसरा वार रना पड़ेगा!
बड़ा खराब निशानेबाज है तू!
वैसे अगर ये नेजे मुझसे टकराते तो भी मेरा कुछ नहीं बिगड़ना था लड़के!
लेकिन जब मेरी 'ऊष्मा-किरण' तुझसे टकराएंगी, तो तेरी शारीरिक संरचना जरूर बिगड़ जाएगी!

मुझे इसके इसी वार का इंतजार था! मैं इसकी इस 'ऊष्मा किरण' को अपने 'मेटल-ब्रेसलेट' द्वारा ऐसे कोण पर परावर्तित करूंगा...
...कि यह किरण जमीन में धंसे मेरे चमकदार 'स्टार ब्लेड' से टकराए। और एक 'स्टार ब्लेड' से टकराकर दूसरे 'स्टार ब्लेड' की तरफ परावर्तित हो जाए जो इस ऊष्मा किरण को वापस...
...इसी 'ममी' की तरफ मोड़ देगा! और यह नाटकबाज इस वार से बच भी नहीं पाएगा! क्योंकि इस बार किरण इसके सामने से नहीं, पीछे से आ रही है!
यह इसे मारेगी तो नहीं, पर घायल जरूर कर देगी!
आऽऽऽह!
ध्रुव मौके का फायदा उठाकर 'ममी' को दबोचने के लिए आगे लपका! लेकिन उसे बीच हवा में ही रुक जाना पड़ा–
घम्मम्मम
ओह! चोट लगा
के बाद भी इसकी फु
में कोई कमी नहीं
है!

ी फुर्ती में तू क्या कमी करेगा
के ? हां, तेरी फुर्ती में कमी
र होने वाली है!
तड़ाक्क्क
आऽऽऽह! इसमें तो असाधारण शक्ति है! किसी इंसान में इतनी शक्ति नहीं हो सकती! तो फिर क्या... ये सच मुचगाजबुल की ममी है?
वैर, यह बाद में सोचूंगा कि यह सच-
च की 'ममी' है या 'ममी' का नाटक
रने वाला इंसान! फिलहाल तो विक्रम
होटल से निकल जाने को कहता हूं!
क्टर राव के अनुसार यह वहीं पर
ा रहा है! विक्रम की जान खतरे में
पड़ सकती है!
हैलो, करीम! तुरंत विक्रम के पास फोन करो, और उसे होटल छोड़ देने के लिए कहो! हां! इमर्जेन्सी है! ओवर!
अरे! यह क्या हो रहा है? एकदम से यह 'ममी' झटके क्यों खा रही है? शायद अब इस पर चोट का असर हो रहा है!
वह असर जो भी था, ज्यादा देर तक नहीं रहा।
अरे! अब इसके शरीर से क्या निकल रहा है?

यह तो धूल है! ओफ़! खौं खौं खौं। ममी की पट्टियों पर जमी सदियों पुरानी धूल!...और इस धूल के साथ-साथ वे केमिकल भी वातावरण में उड़ रहे हैं, जो शायद 'ममी' को सुरक्षित रखने के लिए पट्टियों पर लगाए जाते हैं! इनकी वजह से... खौं खौं... मेरी आंखों में जलन हो रही है!... मैं न तो आंखें खुली रख पा रहा हूं, और न ही खौं खौं... सांस ले पा रहा हूं!... 'नोज-फिल्टर' का इस्तेमाल करना पड़ेगा!
ध्रुव ने अपनी बेल्ट के एक खाने से 'नोज फिल्टर' निकालकर...

...अपनी नाक पर लगा लिया-
आऽऽऽह! अब कुछ चैन पड़ा! लेकिन आंखों का क्या करूं? इनको तो मैं अभी भी खोल नहीं पा रहा हूं!
अब तेरी आंखें कभी नहीं खुलेंगी लड़के! क्योंकि मैं इनको हमेशा के लिए बंद करने जा रहा हूं!
ध्रुव कुछ भी देख नहीं पा रहा था! इसीलिए वह इस 'ऊष्मावार' से बचने के लिए कुछ नहीं कर सकता था-
लेकिन इससे पहले कि वह ऊष्मावार, उसके शरीर में खिड़की खोल पाता-
कोई अप्रत्याशित रूप से ध्रुव की मदद करने आ गया-
आऽऽऽह! तुम कौन हो?
सवाल तो पूछा जरूर गया था! पर जवाब ध्रुव को नहीं मिला-
उस रहस्यमय व्यक्ति ने ध्रुव की आंखों पर एक फूंक सी मारी, और-
फूफूऊऊऊ
कमाल है! मेरी आंखों की जलन खत्म हो गई! पर कैसे? क्या किया तुमने?
ध्रुव को फिर कोई जवाब नहीं मिला-

और वह आकृति, लंबे-लंबे डग भरती हुई, ध्रुव की आंखों से ओझल हो गई-
लेकिन ध्रुव को और सोचने का वक्त नहीं मिला-
तू मेरे हर वार से न जाने कैसे बचता जा रहा अपनी ही धूल के कारण मैं खुद नहीं देख पाया कि इस बार तू कैसे बचा? पर इस बार तू नहीं बचेगा। मेरी 'काल ध्वनि' तेरे शरीर को भी धूल चटा देगी!
आऽऽऽह! यह बहुत 'हाई फ्रीक्वेंसी' की ध्वनि तरंगें छोड़ रहा है! और इस वार से बचने का मेरे पास कोई उपाय नहीं है! क्योंकि इस वार से न तो उछल-कूदकर बचा जा सकता है और न ही कान, आंख या नाक बंद करके! मैं इस ध्वनि को सुन तो नहीं सकता, पर इनको हथौड़ों की तरह अपने शरीर से टकराते हुए महसूस जरूर कर सकता हूं!
ध्रुव को एक बार फिर जरा सी मदद की जरूरत थी-
और वह मदद उसे मिल गई-
यह टीन की शीट! यह ध्वनि तरंगों को सीधे मेरे पास तक आने से रोक रही है! पूरी तरह तो नहीं, पर थोड़ी सी राहत जरूर मिली है! पर इस बार मेरी मदद किसने की? क्या फिर से उसी रहस्यमय व्यक्ति ने?
टन्नन्न
मैं रहस्यमय तो नहीं हूं...
चंडिका! तुम यहां कैसे... ओह नहीं पूछूंगा! पर ये टीन शीट हमको ज्यादा देर तक नहीं बचा पाएगी!
इसकी आवाज बंद करने का कोई उपाय ढूंढ़ना पड़ेगा!
अब वह तुम ढूंढ़ो! मेरे पास इतना दिमाग नहीं है!

वह पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस! वह हमारी मदद कर सकती है! पास के पार्क से एक पाइप ढूंढ़ो! पार्कों में पानी देने के लिए एक लंबा पाइप जरूर रहता है!
मैं समझ गई तुम्हारी योजना!
गजबल की 'ममी' चीखती जा रही थी! और ध्रुव का शरीर कांपता जा रहा था-
ओह! इसके... फेफड़ों में... कितनी सांस भरी है!... ये तो नॉन स्टॉप... चीखता जा रहा है!...
...आह!...ये... ये...पाइप...आ गया!...
फिर कहीं घरघराहट की एक आवाज हुई-
और पाइप से गाढ़ा धुआं निकलने लगा-
और ध्रुव ने पाइप का सही इस्तेमाल करने में एक पल भी नहीं गंवाया-
चंडिका ने बस के 'एक्जास्ट पाइप' से इस 'होजपाइप' को जोड़कर बस को स्टार्ट कर दिया है। और हर पब्लिक बस की तरह इस बस से भी तेज डीजल का धुआं निकलता है। यह इसकी आवाज जरूर बंद कर देगा!
और इससे पहले कि 'ममी' संभल पाती-
उसके पैर जमीन से उखड़ गए-
धक्क
RAJNAGAR TRANSPORT AUTHOURITY

और बस उसके ऊपर से गुजरती चली गई-
ओफ्‌! तुमने यह क्या किया चंडिका! मुझे पूरा यकीन है कि यह कोई 'ममी' नहीं, जिन्दा इन्सान है! कहीं यह मर न जाए!
घबराओ मत ध्रुव! अगर यह इन्सान भी है, तो भी यह नहीं मरेगा क्योंकि बस इसके पैरों के ऊपर से निकली है!
लेकिन बस भी उस रहस्यमय 'ममी' को नुकसान नहीं पहुंचा पाई थी-
तुम दोनों मुझे उस मच्छर की याद दिला रहे हो, जो मर तो एक झापड़ में जाता है, पर उसे मारने में समय बहुत व्यर्थ करना पड़ता है! ... मुझे इस स्थिति को समझने में थोड़ा और समय लगेगा, और इस नई दुनिया को समझने में भी! इसलिए फिलहाल मैं जा रहा हूं। पर मैं वापस जरूर आऊंगा! और बहुत जल्दी आऊंगा!
अरे! य... यह क्या? यह तो खड़ा हो रहा है! यानी इसके पैरों को कुछ भी नहीं हुआ!
इसके शरीर से गाढ़ा धुआं निकल रहा है ध्रुव! और यह उस धुएं की दीवार में गायब हो रहा है!
यह भी कोई ट्रिक है चंडिका! चमत्कार नहीं!

अगर यह जिन्दा इन्सान है तो यह कौन हो सकता है? किसका फायदा है 'ममी' बनकर आतंक फैलाने में?
पता नहीं, चंडिका! यही तो हमको पता करना...
ध्रुव, मैं आ गया, ध्रुव! घबराओ मत!
विक्रम! तुम यहां पर क्यों आ गए?
यह मुसीबत, मेरी लाई हुई है ध्रुव! और मैं ही इसे दूर करूंगा! मिस्टर करीम से इस झगड़े की न्यूज मिलते ही मैं अपराधी सा महसूस करने लगा था!
यह वो 'ममी' नहीं है विक्रम! 'ममी' का रूप धरे कोई जिन्दा इन्सान है!
नहीं ध्रुव! इस बार तुम्हारा शक गलत है! ये देखो! 'बायो स्कैन' पर चंडिका और चिड़िया तक की छाया तो आ रही है, पर इसकी नहीं! इसके शरीर में जीवन का कोई लक्षण नहीं है! यह मृत है ध्रुव! मुर्दा! ये 'ममी' है ध्रुव!
अब घटनाक्रम एक नया मोड़ लेने वाला था-
गायब होती 'ममी' एकाएक थम गई! उसके शरीर से धुआं निकलना बन्द हो गया-
अरे! ये तो... इसका चेहरा तो...
'ममी' एक झटके से आगे बढ़ी! और विक्रम की शर्ट के चीथड़े उसके हाथ में आ गए-
विक्रम, बचो!

पर 'बचने' का सवाल ही कहां उठता था—
ये... ये अंगूठी का निशान! ये है तेरे शरीर पर! जैसा मेरे हर पुरखों के शरीर पर था! मेरे शरीर पर था, और मेरे हर वंशज की शरीर पर होना चाहिए था! कंधे के ठीक नीचे! हां, हां, तू ही मेरा वंशज है! गजबल दौरी का वारिस!
खजाना तेरा है! खजाना जब तक तेरे हाथों में नहीं जाता, तब तक मैं मर नहीं सकूंगा!
य... यह कैसे हो सकता है? म... मैं तो भारतीय तक नहीं हूं!
कुछ भी हो! निशान झूठ नहीं बोल सकता! मेरा पुत्र लापता होकर अवश्य विदेश चला गया होगा! खजाना इसे दे दो! दे दो!... वरना इसे रोकने वाला कोई नहीं बचेगा, नहीं बचेगा!
आऽऽह! इतना तेज अंधड़!

और जब अंधड़ खत्म हुआ तो—
अरे! कहां गई वह 'ममी'?
नहीं, विक्रम! यह गलती मत करना!
गई, गई! थैंक गॉड! मैं तो बच गया! वह तो मुझे अपना बच्चा बनाने पर ही तुल गया था!...
... म... मैं तो अगली फ्लाइट से वापस चला जाऊंगा!
अब इसकी शक्तियां देखकर मुझे आभास हो रहा है कि यह सचमुच गजबल की ही ममी है, और वैसे भी बायो स्कैन से यह साबित हो गया है कि यह मृत है! यानी यह किसी जिन्दा इंसान का नाटक नहीं हो सकता!
और अगर यह सचमुच गजबल दौरी की ममी है तो तुम्हारे जाने से ये और बिगड़ जाएगी! इसका क्रोध राजनगर पर मौत बनकर बरसेगा!
तो फिर मैं क्या करूं? किस मुसीबत में फंस गया मैं?
मैं फिलहाल तुम्हारा किसी सुरक्षित जगह पर रहने का इंतजाम कर देता हूं! जब तक यह मुसीबत टल न जाए, तब तक तुम्हारी सुरक्षा आवश्यक है!
मेरी सुरक्षा अब किसलिए ध्रुव? मुझे तो खतरा इस ममी से ही था अब तो उसने मुझे अपना वंशज मान लिया है! अब वह मुझे नुकसान भला क्यों पहुंचाएगी? मुझे कहीं नजरबंद होकर नहीं रहना ध्रुव! मैं तो फिलहाल इंपीरियल होटल में ही रहूंगा!
ठीक है! तुम्हारा सोचना भी ठीक है!

और फिर पुलिस हैडक्वार्टर में—
हमने पूरे शहर की नाकाबन्दी कर दी है ध्रुव! हर चौराहे पर पुलिस की गश्त हो रही है! और खजाने वाले तहखाने पर ब्लैक कैट कमांडो की पूरी यूनिट तैयार है। देखते हैं कि वह 'ममी' कितनी देर तक छिपी रहती है!
मुझे सिर्फ 'ममी' की फिक्र नहीं है पापा
सर! सर! गजब हो गया!
क्या हुआ इंस्पेक्टर राणे? अब उस 'ममी' ने क्या कर दिया?
'ममी' नहीं सर! डबल मर्डर हो गया है। नंदी एन्क्लेव में! पति पत्नी का!
अरे! ऐसे मामलों से तो तुम लोग खुद भी निपट सकते हो!
मैं फिलहाल पूरे शहर की सुरक्षा के बारे में सोच रहा हूं!
सर!
सिचुएशन सीरीयस हो रही है, सर!
तुम भी, ए॰ सी॰ पी॰ ढिल्लों? क्या सीरीयस हो गया है?
'कम्यूनल टेंशन' हो गई है सर! किसी ने भूमारोली कब्रिस्तान में कब्र खोदकर लाश गायब कर दी है। दंगा होने की आशंका है! हमको एक्स्ट्रा फोर्स चाहिए!
तो ले लो! पर ऐसे रूटीन मैटर्स के लिए मुझे परेशान मत करो!
एक बात और सर! होम मिनिस्टर साहब ने अपनी चाची की मिस्ट्री के लिए 'जैड कैटेगरी'...
ओ शट अप! मैं यहां पर बहुत जरूरी काम कर रहा हूं! आप लोग बाहर जाइए, और ध्यान रखिए कि कोई मुझे डिस्टर्ब न करे!
हां तो, ध्रुव तुमको 'ममी' के अलावा और किसकी फिक्र है?
एक और 'रहस्यमय' आदमी की!

और जहां तक मैं समझ पाया हूं, वह भी
ी न किसी प्रकार से खजाने से संबंधित है!
र वह 'ममी' के खिलाफ है! क्योंकि उसने मुझे
ी' के हमले से तब बचाया था, जब मैं
पना बचाव करने की स्थिति में नहीं था!
ओ! लेकिन ये आदमी हो कौन सकता है?
यह तो कहना मुश्किल है पापा कि वह है कौन, और उसका मकसद क्या है? पर इतना मैं अवश्य जानता हूं कि जहां पर वह ममी मिलेगी, वहीं पर वह रहस्यमय आदमी भी जरूर मिलेगा!
यह तो एक समस्या हुई! दूसरी समस्या वह खजाना है!
गर यह 'ममी' वास्तव में साढ़े तीन हजार साल
ानी राजा गजबल दौरी की ममी हुई, और इसने
पनी आश्चर्यजनक शक्तियों द्वारा विनाश
लाना जारी रखा तो क्या सचमुच हमको वह
जाना विक्रम के हवाले करना पड़ेगा!
कम से कम 'ममी'
के शान्त होने तक तो करना ही पड़ेगा! बाद में विक्रम से खजाना वापस लिया जा सकता है!
हां! ऐसा ही करना पड़ेगा!
ओफ! बहुत सारे सवाल उठ खड़े हो रहे हैं! और इन सबका जवाब 'ममी' के मिलने पर ही मिल सकता है! पर ममी है कहां पर?
वह 'ममी' मुझे किसी की याद दिला रही थी! उसका चलना, उसके इशारे उसके बोलने का ढंग सब कुछ जाना पहचाना लग रहा था! मैं कोई बात नजरअंदाज कर रहा हूं, पापा! अगर वह बात मुझे याद आ जाए तो... ओह! ओ माई गॉड!
क्या हुआ ध्रुव? तुमको क्या याद आ गया?
शायद मैं ममी को ढूंढ सकता हूं पापा!...
...और अगर मैं सही समझ रहा हूं!

...तो 'ममी' को ढूंढने के लिए मुझे किसी की मदद लेनी होगी!
मदद? किससे मदद लेनी है?
एक ऐसे शख्स से, जिससे मैं मदद लेना नहीं चाहता!
और फिर- इंपीरियल होटल की लॉबी में-
तुमने मुझे यहां पर मिलने को क्यों बुलाया, ध्रुव? हम कमरे में भी तो बात कर सकते थे!
तुम्हारे कमरे पर शायद नजर रखी जा रही है विक्रम!
मैंने शायद तुमको बताया नहीं कि एक और शख्स इस खजाने के पीछे पड़ा हुआ है!
और उससे तुम्हारी जान को खतरा हो सकता है!
ओ माई गॉड! मैं तो फंसता ही जा रहा हूं! मेरी मत मारी गई थी, जो मैंने खजाने को ढूंढने का बीड़ा उठा लिया! पर यह आदमी है कौन?
यही तो हमको पता लगाना है! और यह पता तभी चल सकता है, जब 'ममी' का पता चल जाए!
वह वहीं जाएगा, जहां 'ममी' जाएगी, और 'ममी' वहीं जाएगी, जहां तुम रहोगे!
क्यों डर रहे हो, ध्रुव? भला 'ममी' मेरे पीछे क्यों आएगी?
क्योंकि तुम उसके वंशज हो भाई! उसके खजाने के वारिस!
हा हा हा! उसने कहा, और तुमने मान लिया! अरे, 'ममी' मेरे पीछे नहीं आएगी! इस बात की तो मुझसे गारंटी ले लो!
यह बात तुम इतने विश्वास से कैसे कह सकते हो?

बस, मुझे पता है! इसे तुम आत्मविश्वास कह लो, या 'सिक्स्थ-सेंस'... पर...
विक्रम!
चेतावनी मिलने से पहले ही विक्रम, हवा में उड़ चुका था-
'ममी' सचमुच विक्रम के पीछे पड़ गई थी-
आssss ह!
य... यह क्या हो रहा है? यह तो असंभव है! ऐसा हो ही नहीं सकता! 'ममी' भला मुझ पर हमला क्यों करेगी? कुछ गड़बड़ है! मु... मुझे बचाओ, ध्रुव! वर्ना यह तो मुझे पीट-पीट कर मार डालेगा!

तड़ाक्कक
अब भई विक्रम, यह तो तुम्हारे 'घर' की बात है! अब पूर्वज, वंशज के झगड़े के बीच में मैं क्यों पड़ूं? तुमने जरूर कुछ बदमाशी की होगी, जो तुम्हारे सुपर लकड़दादा तुमको पीट रहे हैं! तुम लोग तो लड़-भिड़कर फिर एक हो जाओगे, और मैं बुरा बन जाऊंगा...
धाड़
...यह क्या कह रहे हो ध्रुव? तुम मेरी मदद नहीं करोगे? पर क्यों? अरे, यह मेरा दादा-वादा नहीं है! यह तो... यह तो...
तुम्हारे कहने से ऐसा लग रहा है, जैसे कि तुम जानते हो कि यह कौन है? कौन है यह?
यह... यह... यह...
हां, हां, बोलो! या पिटो!

य... यह एक लाश है, ध्रुव! जिसको मैंने पास के एक कब्रिस्तान में खोदकर निकाला है! और इसमें हाथ-पैर चलाने वाले रोबोटिक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र, कैमरे और माइक्रोफोन फिट कर दिए हैं! इसके कंट्रोल को तो मैं अपने शरीर पर फिट करके चलाता था! अब ये अपने-आप कैसे चलने लगा?
अभी पता चल जाता है! श्वेता, अब सामने आ जाओ! और विक्रम की पिटाई करना बन्द करो!
श्वेता?
यऽऽस विक्रम जीनियस! मैं भी थोड़ी बहुत इलेक्ट्रॉनिक्स जानती हूं!
अब 'थैंक्यू' बोलो भइया!
तू शुरू हो गई? इसीलिए मैं तेरी मदद नहीं लेना चाहता था! पर क्या करता? मेरी जान-पहचान में तुमसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स कोई नहीं जानता है! अब तू जिन्दगी भर इस छोटी सी मदद का एहसान जताती रहेगी!
यानी... यानी तुम लोग सब-कुछ पहले ही जान गए थे? फिर इस नाटक और मेरी पिटाई की क्या जरूरत थी?

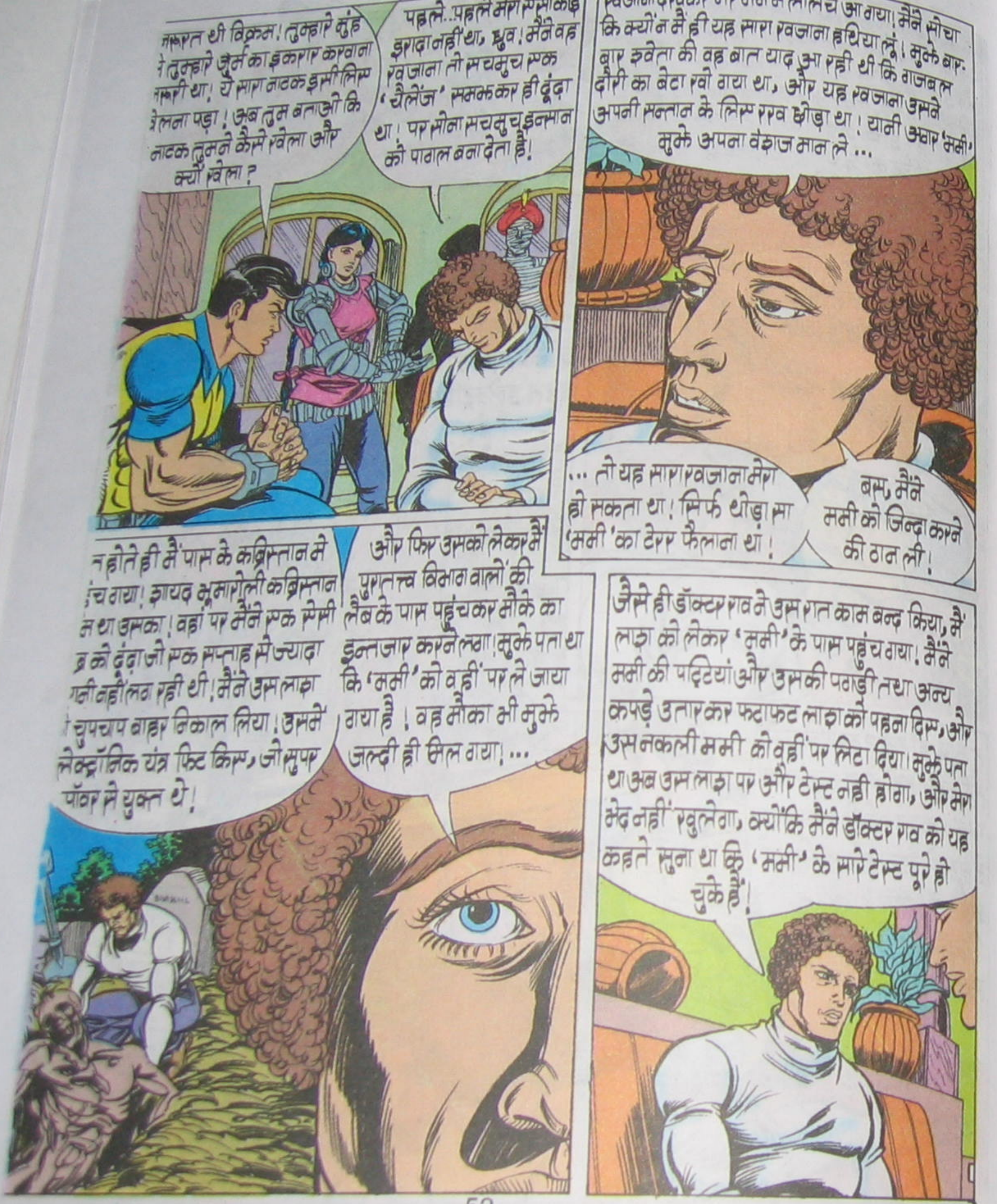
जरूरत थी विक्रम! तुम्हारे मुंह ने तुम्हारे जुर्म का इकरार करवाना जरूरी था! ये सारा नाटक इसीलिए खेलना पड़ा! अब तुम बताओ कि नाटक तुमने कैसे खेला और क्यों खेला?
पहले...पहले मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था, ध्रुव! मैंने वह खजाना तो सचमुच एक 'चैलेंज' समझकर ही ढूंढा था! पर सोना सचमुच इन्सान को पागल बना देता है!
खजाना देखकर मेरे मन में लालच आ गया! मैंने सोचा कि क्यों न मैं ही यह सारा खजाना हथिया लूं! मुझे बार-बार श्वेता की वह बात याद आ रही थी कि गजबल दौरी का बेटा खो गया था, और यह खजाना उसने अपनी सन्तान के लिए रख छोड़ा था! यानी अगर 'ममी' मुझे अपना वंशज मान ले...
...तो यह सारा खजाना मेरा हो सकता था! सिर्फ थोड़ा सा 'ममी' का टेरर फैलाना था!
बस, मैंने ममी को जिन्दा करने की ठान ली!
न होते ही मैं पास के कब्रिस्तान में ंच गया! शायद कुमारोली कब्रिस्तान न था उसका! वहां पर मैंने एक ऐसी ब्र को ढूंढा जो एक सप्ताह से ज्यादा नी नहीं लग रही थी! मैंने उस लाश चुपचाप बाहर निकाल लिया! उसमें लेक्ट्रॉनिक यंत्र फिट किए, जो सुपर पॉवर से युक्त थे!
और फिर उसको लेकर मैं पुरातत्त्व विभाग वालों की लैब के पास पहुंचकर मौके का इन्तजार करने लगा! मुझे पता था कि 'ममी' को वहीं पर ले जाया गया है! वह मौका भी मुझे जल्दी ही मिल गया!...
जैसे ही डॉक्टर राव ने उस रात काम बन्द किया, मैं लाश को लेकर 'ममी' के पास पहुंच गया! मैंने ममी की पट्टियां और उसकी पगड़ी तथा अन्य कपड़े उतारकर फटाफट लाश को पहना दिए, और उस नकली ममी को वहीं पर लिटा दिया! मुझे पता था अब उस लाश पर और टेस्ट नहीं होगा, और मेरा भेद नहीं खुलेगा, क्योंकि मैंने डॉक्टर राव को यह कहते सुना था कि 'ममी' के सारे टेस्ट पूरे हो चुके हैं!

ऐसा ही हुआ! और मेरी बनाई 'ममी' उठ खड़ी हुई! अब उसका पहला काम था शहर में आतंक फैलाना! ताकि उस आतंक को रोकने के लिए शहर वाले सारा खजाना, उस शख्स के हवाले कर दें, जिसे 'ममी' अपना वारिस बताए! और यह काम मेरी 'ममी' के लिए काफी आसान था!
क्योंकि ममी के शरीर में मैंने वीडियो कैमरे, माइक्रोफोन और रिमोट कंट्रोल डिवाइस के साथ-साथ ऐसे हाइड्रोलिक पॉवर युक्त सिस्टम फिट किए थे जो उसके हाथों और पैरों को अमानवीय शक्ति प्रदान करते थे और उस सिस्टम को मैं उसी गैजेट से चला रहा था, जिसे अभी श्वेता पहने हुए थी!
मैं होटल के कमरे में जैसा मूवमेंट करता था, मशीनी ममी भी वही हरकतें करने लगती थी!
और ममी की मशीनी आवाज में मैं ही बोल रहा था! मेरा टेरर फैलाने वाला प्लान तो सफल रहा! पर मुझे डर था कि कहीं मुझ पर शक न किया जाए! इसीलिए मैं खुद ममी के पास पहुंच गया! और उस दौरान ममी के जो मूवमेंट थे, उन्हें मैंने ऑटो सिस्टम में डालकर चलाया था! क्योंकि मुझे पता था कि मैं क्या बात करूंगा और ममी क्या जवाब देगी!
एक मिनट विक्रम! एक बात बताओ, जब यह 'ममी' सचमुच एक लाश थी, तो उ पर बस के धुंए का असर क्यों हुआ?
कोई भी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र धूल और धुंए से गड़बड़ काम करने लगता है! यही 'ममी' के साथ भी हुआ!
हां! और वह अंगूठी का निशान मैंने पहले ही अपने कंधे पर बना लिया था, और उससे संबंधित कहानी भी गढ़ ली थी! पर तुमने मुझे पकड़ कैसे लिया?
सबसे बड़ा कारण तो यह था कि उस 'ममी' की चालढाल मुझे किसी की याद दिला रही थी! और जैसे ही मुझे याद आ गया कि उसकी चालढाल तुमसे मिलती है तो मुझे बाकी बातें भी याद आनी शुरू हो गईं!
जैसे ए.सी.पी. बिल का यह बताना कि कब्र से एक लाश खोदी गई है, और 'ममी' के सामने, मेरे ट्रांसमीटर पर करीम द्वारा बात करने के दौरान 'ममी' का लड़खड़ाना...

ट्रांसमीटर पर बात करने और 'ममी' के लड़खड़ाने में सिर्फ एक ही संबंध हो सकता था! और वह ये कि ट्रांसमीटर की रेडियो तरंगें 'ममी' पर असर डाल रही हैं! और वह असर सिर्फ तभी हो सकता था जब 'ममी' में इलेक्ट्रॉनिक यंत्र मौजूद हों! क्योंकि रेडियो तरंगें सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों के कार्य कलापों में ही गड़बड़ पैदा करती हैं!...
...और फिर कब्रिस्तान से लाश के गायब होने की बात! राजनगर में इस किस्म का यह पहला हादसा था! इन तीनों बातों को मिलाकर मैं समझ गया कि यह 'ममी' वास्तव में क्या है! बस, मैंने तुमको होटल की लॉबी में बुला लिया!
और पीछे से श्वेता ने तुम्हारे कमरे की तलाशी लेकर तुम्हारा राज जान लिया! साफ है कि तुम्हारा 'ममी' को चलाने वाला यंत्र भी कमरे में ही था, और 'ममी' भी! आधी कहानी तो जानने के साथ-साथ तुमने भुगती भी है! पर यह तो बताओ कि तुमने असली ममी को कहां पर छिपाया है?
एक किराए पर ली गई कार की डिक्की में! जिसको मैंने होटल की बेसमेंट पार्किंग में ही खड़ा किया हुआ है!
ओ! अब बस सिर्फ एक आखिरी सवाल का जवाब दे दो! वह रहस्यमय आदमी कौन था, जिसने मुझे तुम्हारी 'मशीनी ममी' के हमले से बचाया था?
कैसा रहस्यमय आदमी? मैं ऐसे किसी आदमी को नहीं जानता! और ममी को तो मैं ही चला रहा था! मैं तुमको नुकसान थोड़ी न पहुंचाता!
तो फिर... वह लबादाधारी था कौन?
वह मैं था...
दरअसल मेरे लिए 'ममी' की सच्चाई का पता लगाना बहुत जरूरी था! इसीलिए मैं ममी के पीछे लगा हुआ था! और तभी मुझे एहसास हुआ कि 'ममी' की सच्चाई सिर्फ तुम पता कर सकते हो! इसीलिए मैंने तुम्हारी जान बचाई!
वैसे भी इस दुनिया में बिना मदद लिए तो सत्य का पता लगाना असंभव था!
इस दुनिया में? समझ में नहीं आया! पर तुम्हारे लिए 'ममी' की सच्चाई पता करना जरूरी क्यों था?
तुमको कैसे पता था कि ममी की कोई 'सच्चाई' है? यह असली नहीं है!

क्योंकि असली 'ममी' मैं हूं! मैं हूं राजा गजबल दौरी! और इस नाटक को खेलने के अपराध में मैं तुमको मृत्युदंड देता हूं, लड़के!
यह क्या ध्रुव? य... यह कोई नया नाटक है क्या?
वैसे, यह है तो वही वाली ममी, जिसे मैं डिक्की में रखकर आया था!
नहीं विक्रम! मुझे नहीं लगता कि यह कोई नाटक है! असंभव है, पर सच तो यह है...

...कि यह गजबल दौरी की ही 'ममी' है! इसके शरीर से वैसी ही गंध आ रही है, जैसी उस खजाने वाले तहखाने में भरी हुई थी! महक की नकल करना असंभव नहीं तो मुश्किल अवश्य है!
इसको रोकना होगा! क्योंकि तुमने जो काम किया है, उससे यह अत्यंत क्रोधित हो गया है!
ध्रुव लपका तो था, ममी पर वार करने के लिए-
लेकिन उसके वार का ममी के शरीर से संपर्क नहीं हो पाया-
आऽऽऽह! विद्युत तरंगें! यह 'ममी' काफी शक्तिशाली लगती है!
त... तुम ठीक तो हो न ध्रुव? तुम ठीक रहे तो हम सब ठीक रहेंगे! क्योंकि इसको अगर कोई रोक सकता है तो सिर्फ तुम!
फिलहाल तो मेरी किस्मत अच्छी थी कि करेंट लगते वक्त मेरा शरीर हवा में ही था! अगर जमीन के संपर्क में रहता तो यह वार मेरे लिए घातक हो सकता था! इसको रोकने का सिर्फ एक ही तरीका समझ में आ रहा है!
इसकी अमानवीय शक्ति का मुकाबला कोई अमानवीय शक्ति ही कर सकती है!
जैसी तुम्हारी नकली 'ममी' की शक्ति!
मैं नहीं!
जिसकी जान दांव पर लगी हो उसे ज्यादा समझाना नहीं पड़ता-
मैं समझ गया ध्रुव! समझ गया!
विक्रम फुर्ती से नकली ममी को कण्ट्रोल करने वाला सिस्टम पहनने लगा-

और दो अमानवीय शक्ति वाले प्राणी या कहिए 'अप्राणी' आपस में टकरा गए-
एक असली शक्ति धारक और दूसरा यांत्रिक शक्ति धारक-
टक्कर तो प्रलयंकारी थी-
पर यह प्रलय ज्यादा देर तक नहीं चली-
धड़ाक्क
ओह! म... मैंने तो इसमें ट्रक तक को उठा सकने वाले हाइड्रोलिक यंत्र फिट किए थे! पर इसने एक ही वार में इसके पुर्जे-पुर्जे कर दिए! अ... अब क्या करें? अरे, तू सचमुच जिन्दा कैसे हो गया गजबल दौरी? जब मैंने उठाया था, तब तो अच्छा-खासा मरा हुआ था...
मैं समझ गया! मेरे साथ आओ विक्रम! हम...
...विक्रम!
आऽऽऽह!
म... मैं चल नहीं सकता ध्रुव!
मुझे छोड़ दो! तुम चले जाओ!
नहीं, विक्रम! तुम्हारा चलना आवश्यक है! क्योंकि ये सिर्फ तुम्हारे पीछे ही आएगा!

ध्रुव की चाल सफल होती लग रही थी-
वह 'मुमी' सचमुच हमारे पीछे आ रही है, ध्रुव! पर हम जा कहां रहे हैं?
जल्दी ही विक्रम को अपने सवाल का जवाब मिल गया-
राजनगर का 'रत्न महल'। यहां पर हम क्यों आए हैं?... तुम समझते हो कि यह अपना खजाना सुरक्षित देखकर शांत हो जाएगा?
उनका 'टाइम अप' हो गया-
फिलहाल तो मैं भाग रहा हूं, विक्रम!
कुछ पलों तक तुमको अपने-आप ही बचना होगा! क्योंकि अब वक्त बहुत कम है!
ध्रुव! ध्रुव! कहां जा रहे हो?
के जवाब दे पाने से पहले ही-
आऊsss! अब हम क्या करेंगे ध्रुव? अब कहां भागोगे?

आऊsss! अब मैं समझ गया ध्रुव का प्लान! इसने इस शैतान की समाधि पर मेरी बलि चढ़वाने का प्रोग्राम बनाया है! ताकि यह गजबल शैतान खुश होकर शांत हो जाए!
लंगड़ाता हुआ विक्रम, बचने की भरपूर कोशिश कर रहा था-
पर यह कोशिश उसे ज्यादा देर तक नहीं करनी पड़ी-
खजाने पर तैनात ब्लैक कैट कमांडो उसकी मदद के लिए आ गए थे-
ध्रुव ने हमको सही समय पर भेज दिया! वर्ना यह सचमुच इस लड़के की जान ले लेता!
लेकिन यह मदद भी विक्रम की उम्र सिर्फ कुछ पलों के लिए ही बढ़ा पाई-
ईयाऽऽ
ऊऊऊsss
अब विक्रम और मौत के बीच में अगर कुछ था-
तो सिर्फ एक पल का फासला-
लेकिन एक पल में तो कई बार दुनिया बदल जाती है-
गजबल! इधर देखो!
अब कौन मरने आ गया?

मरने नहीं, मारने वाला गजबल! देख, मेरे हाथ में तेरी नींद की दवा है! मुझे यह समझ में तो जरा देर से आया, पर आया ठीक समय पर! जब विक्रम ने कहा कि तू जिन्दा कैसे हो गया, तब से भी तुम्हारे जिन्दा हो उठने का कारण सोचने पर मजबूर हो गया। और जो कारण मुझे समझ में आया, वह यह था! इस गोले में भरा अद्भुत चमकीला पदार्थ!
तुम्हारे खजाने वाले कक्ष में सिर्फ यही एक चीज ऐसी थी, जिसका मतलब मैं समझ नहीं पाया था!
?
यह क्या है, यह तो मैं नहीं जानता, पर इतना जरूर समझ गया हूं कि इन्हीं किरणों ने तुम्हारे शरीर में बहते प्राण की गति रोक रखी थी।
क्योंकि इससे दूर होते ही तुम थोड़े समय पश्चात फिर से जी उठे!
और अगर मेरा ख्याल सही है तो यह फिर से तुमको सुला देगा!
आऽऽऽह! तूने यह क्या किया लड़के? मैं एक बार अपने बंद कक्ष से बाहर निकलकर वायु के संपर्क में आ चुका हूं! अब इन किरणों का असर जीवनदायी नहीं, बल्कि घातक होगा!
मेरा शताब्दियों पुराना शरीर अब उस घातक प्रभाव को झेल नहीं पाएगा!
मेरा शरीर... धूल... धूल हो जाएगा... पर... मैं फिर... आऊंगा! और... जो... मेरे... खजाने को हाथ लगाएगा... उसे बर्बाद कर दूंगा!
'ममी' का शरीर खंड-खंड होकर धूल में बदलने लगा—
और हवा का एक तेज झोंका न जाने कहां से आकर उस धूल को उड़ा ले गया—
आश्चर्यजनक! देख रहा हूं, पर यकीन नहीं हो रहा है!
मुझे तो अपने आप पर यकीन नहीं हो रहा है। मैं इतना गलत काम न जाने कैसे कर गया? पर मुझे सबक मिल चुका है!
अब चलो, ध्रुव! मैं सम्मान के स्थान पर सजा भुगतने को तैयार हूं!
समाप्त.

यकीन कर ले, नागराज! ये सभी मर चुके हैं।
और इनको मारने वाली है हमारी शैतान टोली की सम्मिलित शक्ति! हर हीरो को उसी के खास दुश्मन ने अन्य विलेनों की मदद से नेस्तनाबूद किया है।...
जैसे बाकी विलेनों की मदद से मैं करूंगा तेरा...
विध्वंस
पृष्ठ संख्या 128 मूल्य 40/-
सुपर हीरोज के खून और नागराज के बदले के रंग में डूबा एक मल्टीस्टार सुपर विशेषांक